

असाधार्गा EXTRAORDINARY

भाग II—सण्ड 3—जप-सण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

₹i. 206] No. 206] नई विल्ली, शुक्रवार, मई 31, 1991/ज्येष्ठ 10, 1913 NEW DELHI, FRIDAY, MAY 31, 1991/JYAISTHA 10, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्यादी जाती है जिससे कि यह अलग संकालन के इत्य में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

ग्रधिसूचना

नई दिल्ली, 31 मई, 1991

सं. 39/91-सीमा-शृल्क

सा.का.नि. 292 (ग्र): — केन्द्रीय सरकार, सीमा-गुल्क ग्रिधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) बारा प्रदत्त शक्तितयों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना ग्रावश्यक है, भारत सरकार के वित्त

मंत्रालय (राजस्य विभाग) की श्रधिस्चना सं. 137/90—सीमा-गृश्क तारीख 20 मार्च, 1990 का निम्नलिखित श्रीर संगोधन करते हैं, अर्थात्:--

उक्त श्रधिसूचना के पैरा 1 में,---

- (क) खंड (क) से संबंधित गतीं में,---
- (i) शर्त (iv) में, "यात्री" शब्ध के स्थान पर "व्यक्ति" शब्ध रखा जाएगा,
- (ii) गर्त (v) में "प्रति व्यक्ति" शब्दों के स्थान पर "ऐसे व्यक्ति को" शब्द रखें जाएंगे,
- (ख) खंड (ख) से संबंधित शर्ती में,—
- (i) शर्त (iv) में, "यात्री" शब्द के स्थान पर, "व्यक्ति" शब्द रखा जाएगा श्रौर भ्रांत में श्राने वाला "श्रौर" शब्द का लोप किया जाएगा,
  - (ii) णर्त (v) के स्थान पर निम्नलिखित गर्त रखी जाएगी, ग्रर्थात्:-
- "(v) ऐसे माल बाबत, प्रति परिवार एक यूनिट से श्रधिक श्रन् ज्ञेय नहीं होगा श्रीर वह व्यक्ति जो इस श्रधिसूचना से फायदा का दावा कर रहा है एक घोषणा द्वारा यह प्रतिज्ञात करता है कि परिवार के किसी श्रन्य सदस्य ने इस श्रधिसूचना का फायदा नहीं लिया है या फायदा नहीं लेगा, श्रीर (vi) ऐसे माल का संकलित मृल्य एक लाख रुपए से श्रिष्ठक नहीं होगा।"
  - (ग) स्पष्टीकरण में खंड (ii) के बाद, निम्नलिखित खंड जोड़ा जाएगा, अर्थात:--
  - (iii) "परिवार" में वे सभी व्यक्ति सम्मिलित हैं जो एक ही मकान में निवास करते हैं श्रौर उसी पारिवारिक स्थापन का हिस्सा हैं।

[फा. सं. 497/23/90-सीमा गुल्क-6] देवेन्द्र सिंह, श्रवर सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)
NOTIFICATION

New Delhi, the 31st May, 1991 NO. 39/91-NT CUSTOMS

G.S.R. 292(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes

the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 137/90-Customs, dated 20th March, 1990, namely:—

In paragraph 1 of the said notification:

- (a) in the conditions pertaining to clause (a),—
  - (i) in condition (iv), for the word "passenger", the word "person" shall be substituted;
  - (ii) in condition (v), for the words "per person", the words "to such person" shall be substituted;
- (b) in the conditions pertaining to clause (b),—
  - (i) in condition (iv), for the word "passenger", the word "person" shall be substituted and the word "and" occurring at the end shall be omitted;
  - (ii) for condition (v), the following conditions shall be substituted, namely:—
  - (v) in respect of such goods, not more than one unit shall be permissible per family and the person claiming the benefit of this notification affirms by a declaration that no other member of the family had availed of, or would avail of, the benefit of this notification; and
  - (vi) the total aggregate value of such goods shall not exceed rupees one lakh.".
- (c) in the Explanation, after clause (ii), the following clause shall be inserted, namely:—
  - (iii) "family" includes all persons who are residing in the same house and form part of the same domestic establishment.

[F.No. 497/23/90-Cus. VI] DEVENDER SINGH, Under Secy.